शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2015

26 अक्टूबर - 31 अक्टूबर, 2015

`सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता'

किसी भी कानून या दबाव के द्वारा सतर्कता हासिल नहीं की जा सकती है वरन् हर एक को स्वयं ही सतर्क होकर तथा ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करना चाहिए। यह उद्गार राजस्थान न्यायिक अकादमी, जोधपुर के निदेशक, श्री बलदेव राम चौधरी ने आफरी के सभागार में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में व्यक्त किये। श्री बलदवे राम ने बताया कि ईमानदारी की कोई कीमत नहीं होती तथा न ही उसे खरीदा जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूसरों की परेशानी में स्वयं को रखकर देखने से वास्तविकता का आभास हो सकता है तथा इसी के अनुरूप कार्य करने से खुशी मिलती है। श्री बलदवे राम चौधरी ने विभिन्न उदाहरणों द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन के तरीक़ों को बताते हुए भारतीय संविधान की प्रस्तावना को दिल में उतारने तथा आम आदमी के लिए कार्य करने का आव्हान किया।

इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन.के. वासु भा.व.से. ने सतर्कता के नियमों को समय-समय पर अध्ययन करते रहने तथा जागरूकता बनाये रखने की अपील की। उन्होंने सरकारी कार्यें में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग द्वारा पारदर्शिता लाने तथा भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने का आव्हान किया।

आफरी के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. जी. सिंह ने सतर्कता सप्ताह के कार्यक्रमों तथा नियमों के बारे में बताया। डॉ. बिलास सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। जबकि डॉ. एन.के. बौहरा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया एवं प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

निदेशक, आफरी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एवं निदेशक महोदय अपने विचार प्रकट करते हुए